vinetur

जर्मन अदालतों में अगस्त में कंपनियों के दिवालियापन के 2,067 आवेदन दर्ज

जनवरी से अगस्त तक जर्मनी में दिवालियापन आवेदनों में 6.6% वृद्धि हुई ; परिवहन, भंडारण और आतिथ्य क्षेत्रों में दरें सबसे अधिक रहीं

शनिवार, 14 नवंबर 2026



जर्मनी की स्थानीय अदालतों में अगस्त में कंपनियों के दिवालियापन के 2,067 आवेदन दर्ज किए गए, जो अगस्त 2025 से 4.4% अधिक हैं। संघीय सांख्यिकी कार्यालय, जिसे Destatis के नाम से जाना जाता है, ने शुक्रवार, 13 नवंबर को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी।

यह बढ़ोतरी इस वर्ष कारोबार बंद होने के मामलों में आई व्यापक वृद्धि को और बढ़ाती है। जनवरी से अगस्त तक अदालतों ने कंपनियों के दिवालियापन के 17,252 आवेदन दर्ज किए, जो 2025 की इसी अवधि से 6.6% अधिक हैं। Destatis ने कहा कि ये आंकड़े केवल उन कारोबारी बंदियों को दर्शाते हैं जो औपचारिक दिवालियापन कार्यवाही से गुजरीं ; इनमें वे कंपनियां शामिल नहीं हैं जो अन्य कारणों से या भुगतान की गंभीर समस्या पैदा होने से पहले बंद हो गईं।

एजेंसी ने कहा कि आंकड़ों के समय-संदर्भ को देखते हुए सावधानी बरतनी चाहिए। दिवालियापन आवेदन आंकड़ों में तभी शामिल होते हैं, जब दिवालियापन अदालत प्रारंभिक फैसला कर लेती है ; कई मामलों में आवेदन वास्तव में करीब तीन महीने पहले दाखिल किया गया होता है। इसका अर्थ है कि अगस्त में दर्ज मामले मुख्य रूप से उस वित्तीय संकट को दर्शाते हैं, जो वर्ष की शुरुआत में पैदा हुआ था।

मामलों की संख्या बढ़ने के बावजूद, उनसे जुड़े कुल दावों की राशि घट गई। जनवरी से अगस्त के बीच दर्ज कंपनियों के दिवालियापन मामलों में लेनदारों के दावे लगभग 25.9 अरब यूरो आंके गए, जबकि 2025 की इसी अवधि में यह राशि करीब 37.2 अरब यूरो थी। Destatis ने कहा कि अधिक कंपनियों के दिवालियापन में जाने के बावजूद राशि में गिरावट की वजह यह थी कि 2025 के पहले आठ महीनों में 2026 की तुलना में अधिक आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण कंपनियों ने दिवालियापन के लिए आवेदन किया था।

कारोबारों की कुल संख्या के अनुपात में देखें तो जर्मनी में जनवरी से अगस्त के बीच हर 10,000 कंपनियों पर दिवालियापन के 48.7 मामले दर्ज हुए। परिवहन और भंडारण क्षेत्र में यह दर सबसे अधिक, हर 10,000 कंपनियों पर 97.6 मामले रही। आतिथ्य क्षेत्र 80.1 मामलों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि निर्माण क्षेत्र में यह आंकड़ा 71.9 था।

आतिथ्य क्षेत्र की ऊंची दर खास तौर पर उल्लेखनीय है, क्योंकि यह पूरी अर्थव्यवस्था के औसत से काफी अधिक है और ऐसा क्षेत्र प्रभावित है जो उपभोक्ता मांग, पर्यटन तथा परिचालन लागत से निकटता से जुड़ा है। यह जर्मनी में रेस्तरां, बार, होटल और आतिथ्य कारोबार के अन्य उद्यमों पर निर्भर पेय उद्योग के कुछ हिस्सों पर संभावित दबाव की ओर भी इशारा करता है। इन प्रतिष्ठानों को आपूर्ति करने वाली वाइनरी, ब्रुअरी, डिस्टिलरी और पेय वितरकों को अधिक कारोबारी जोखिम का सामना करना पड़ सकता है, अगर ज्यादा संचालक भुगतान संबंधी परेशानी में पड़ें या बाजार से बाहर हो जाएं।

Destatis ने उपभोक्ताओं के दिवालियापन में भी मामूली बढ़ोतरी दर्ज की। जर्मन अदालतों में अगस्त में उपभोक्ता दिवालियापन के 6,301 मामले दर्ज हुए, जो एक साल पहले की तुलना में 2.8% अधिक हैं। जनवरी से अगस्त तक उपभोक्ता दिवालियापन के मामले 52,344 रहे, जो 2025 की इसी अवधि से 1.2% अधिक हैं।

ये आंकड़े जर्मन अर्थव्यवस्था में वित्तीय दबाव की सबसे स्पष्ट आधिकारिक तस्वीरों में से एक पेश करते हैं, लेकिन इनमें कारोबार बंद होने के सभी मामले शामिल नहीं हैं। चूंकि आंकड़े औपचारिक दिवालियापन कार्यवाही तक सीमित हैं, इसलिए कामकाज बंद करने वाली कंपनियों की पूरी संख्या इससे कम दिखाई पड़ सकती है। वहीं, क्षेत्रवार आंकड़े बताते हैं कि दबाव सबसे अधिक कहां केंद्रित रहा है।

प्रभावित होने के अनुपात के लिहाज से परिवहन और भंडारण क्षेत्र सबसे आगे रहा, लेकिन आतिथ्य क्षेत्र का शीर्ष के करीब होना आपूर्तिकर्ताओं और ऋणदाताओं का ध्यान खींच सकता है। इस क्षेत्र में दिवालियापन दरों का व्यापक असर हो सकता है, क्योंकि कई छोटे और मध्यम आकार के कारोबार खाद्य सेवा और आवास क्षेत्र के ग्राहकों से नियमित व्यापार पर निर्भर हैं। पेय उत्पादकों और थोक विक्रेताओं के लिए, खासकर उन कंपनियों के लिए जिनकी बिक्री का बड़ा हिस्सा परिसर में परोसी जाने वाली खपत से आता है, ये आंकड़े जर्मन बाजार में कारोबारी साझेदारों के जोखिम पर अधिक बारीकी से नजर रखने की जरूरत का संकेत हो सकते हैं।

Destatis ने कहा कि उसकी गणना सांख्यिकीय कारोबारी रजिस्टर पर आधारित है और इसमें कंपनियों को कानूनी इकाइयों के रूप में परिभाषित किया गया है। इनमें निगम, सीमित देयता कंपनियां, साझेदारी फर्म और एकल स्वामित्व वाले व्यवसाय शामिल हैं। अधिक विस्तृत नतीजे एजेंसी की दिवालियापन तालिकाओं और कारोबारी पंजीकरण एवं दिवालियापन विषय-पृष्ठ पर उपलब्ध हैं।